आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

24.04.2024 समय : 1850

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जलवायु परिवर्तन के विषय को गंभीर बताते हुए इसके प्रभावों से निपटने के लिए वन संरक्षण की भूमिका पर जोर दिया है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बेहतर कल के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश जरूरी है।
- आज पंचायती राज दिवस है।
- गर्मी के मौसम को देखते हुए लोगों के लिए स्वास्थ्य परामर्श जारी किया गया है।
- महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जलवायु परिवर्तन के विषय को गंभीर बताते हुए इसके प्रभावों से निपटने के लिए वन संरक्षण की भूमिका पर जोर दिया है। राष्ट्रपति ने आज देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान में भारतीय वन सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जाति जानबूझकर वनों के महत्व को भूलने की गलती कर रही है। उन्होंने कहा कि मनुष्य पृथ्वी के अमूल्य संसाधनों का मालिक नहीं बल्कि संरक्षक है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बेहतर कल के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश जरूरी है। प्रधानमंत्री ने आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वीडियो संदेश में कहा कि आपदाओं को अक्सर आर्थिक नुकसान की दृष्टि से देखा जाता है लेकिन इनका व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर वास्तव में बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आपदा के बाद पुनर्निर्माण के प्रयासों में मजबूती के पहलू पर जोर दिए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि आपदाओं का प्रभाव सीमाओं से परे होता है और इससे निपटने के लिए देशों के बीच परस्पर सहयोग जरूरी है। दो दिन का यह सम्मेलन आज नई दिल्ली में शुरू हुआ।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचायती राज दिवस पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ग्रामीण भारत में बदलाव लाने और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने वालों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने और लोगों के सपनों को पूरा करने का कार्य जारी रखेगी।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस उन्नीस सौ तिरानब्बे में तिहत्तरवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के जरिए स्थापित पंचायती राज व्यवस्था की याद दिलाता है। यह दिन समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने में विकेंद्रीकृत शासन के महत्व को दिखाता है। साथ ही जमीन स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा देने और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए भारत के समर्पण को दर्शाता है।

<><><><><><><><>

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि भ्रामक विज्ञापन को लेकर वह गंभीर है। शीर्ष न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापनों के प्रकाशन को लेकर पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ लंबित अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि वह मात्र पतंजलि आयुर्वेद के लिए ही नहीं, बल्कि जनहित में उन सभी उपभोक्ता कंपनियों के प्रति भी चिंतित है, जो भ्रामक विज्ञापनों का सहारा लेती हैं। न्यायालय ने एलोपैथिक डॉक्टरों की शिकायतों के संबंध में याचिकाकर्ता–इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी चेतावनी दी ।

<><><><><><><>

देश के कई अन्य भागों के साथ अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में भी लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम को देखते हुए लोगों के लिए स्वास्थ्य परामर्श भी जारी किया गया है। इसमें सभी से जब–जब संभव हो सके, उचित मात्रा में पानी पीने को कहा गया है। यात्रा के दौरान पेयजल साथ रखने के अलावा ओ आर एस और नींबू पानी, लस्सी, मट्ठा और कुछ नमक मिलाकर जूस आदि का सेवन करने को कहा गया है। मौसमी फल और सब्जी जिसमें अधिक मात्रा में पानी उपलब्ध हैं, उसे खाने को कहा गया है। कपड़े पहनते समय ढीले–ढाले तथा हल्के रंग वाले सूती वस्त्र को पहनने की भी सलाह दी गई है। सर को ढक कर रखे। छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारंपरिक वस्त्रों का इस्तेमाल करने को कहा गया है, ताकि सूर्य की रोशनी सीधे न पड़े। धूप में निकलते समय जूते या चप्पल पहनने को भी कहा गया है। परामर्श में लोगों से यह भी कहा गया है कि वे ठंडे स्थान पर रहे। दिन के समय खिड़की और परदे को बंद रखे, विशेषकर जिस क्षेत्र में सूर्य की किरण पड़ती हो और रात के समय उसे खुला रखे। बाहर निकलते समय कम गर्मी वाले समय में ही बाहर निकले। विशेषकर दिन में बारह बजे से तीन बजे तक न निकलें। नंगे पैर बाहर न निकले। इसके अलावा खाना पकाते समय अधिक गर्मी वाले समय में खाना न पकाएं और रसोई वाले क्षेत्र में दरवाजे, खिड़की खुला रखे। शराब, चाय, कॉफी और अधिक मात्रा में चीनी वाले पेय पदार्थ का इस्तेमाल न करे। अधिक प्रोटीन वाले खान–पान से भी बचे। बच्चों या अपने पालतू पशुओं को वाहनों के पार्किंग क्षेत्र में न भेजे।

<><><><><><><>

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, डीआरडीओ ने देश में सबसे हल्के बुलेट प्रूफ जैकेट को सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह जैकेट बीआईएस गोला–बारूद के छठवें स्तर के उच्चतम खतरे से सुरक्षा प्रदान करता है। हाल ही में इस बुलेट प्रूफ जैकेट का चंडीगढ़ के चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला में सफल परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह जैकेट नए डिजाइन दृष्टिकोण पर आधारित है, जहां नवीन सामग्री और प्रक्रियाओं का उपयोग किया गया है।

<><><><><><><>

महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार हर वर्ष असाधारण बहादुरी का योगदान देने वाले बच्चों के अलावा असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को उनके योगदान के लिए दिया जाता है। खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला और संस्कृति और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व योगदान देने वाले युवाओं को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। हर वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाले विशेष समारोह में राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष इक्कतीस जुलाई तक पांच वर्ष से अट्ठारह वर्ष आयु वर्ग तक के भारतीय नागरिक, जो भारत में ही निवास करते हैं, वे पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन स्वीकार करने के लिए पोर्टल एक अप्रैल से खुल चुकी है। इक्कतीस जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन फार्म स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक बच्चे इसमें आवेदन कर सकते हैं।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के विशेष जज सुभाजित बसु ने पॉक्सो अधिनियम के तहत पन्द्रह अप्रैल को अपने एक आदेश में रूपेश बेक नामक एक व्यक्ति को दस वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है और दो हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की राशि अदा न करने पर अभियुक्त को एक माह और सजा भुगतनी पड़ेगी। कदमतला थाने में पॉक्सो के तहत पिछले वर्ष बाईस मई को एफ आई आर दर्ज हुआ था और नौ जून को चार्जशीट किया गया। जांच अधिकारी उप–निरीक्षक शिल्पी सिंघा ने कदमतला के थाना प्रभारी अब्दुल रहमान के मार्गदर्शन और मध्योत्तर अंडमान पुलिस अधीक्षक गीतांजलि खंडेलवाल की निगरानी मे इस मामले में जांच–पड़ताल की और आरोपी को सजा दिलाने में कामयाब हुई। जांच अधिकारी को उनके प्रयासों के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा।

<><><><><><><>

गैर सरकारी संगठन विद यू ने यू पी एस सी की सिविल सेवा परीक्षा दो हजार तेईस में द्वीपों की कालीकट निवासी ज़ोहरा बानू के सफल होने पर उन्हें सम्मानित किया। एन जी ओ की अध्यक्षा वीके मरियम बीबी और अन्य सदस्यों ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि इस तरह की कामयाबी से द्वीपों के अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलती है।

<><><><><><><>